

## राजस्व विभाग

युद्ध जागीर

दिनांक 8 सितम्बर, 1981

क्रमांक 1691-ज(II)-81/32538.—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरकार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है), कि धारा 2(ए)(1) तथा 3(1) के अनुसार सौंदे गर अधिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राजपत्र श्रीमती हरदेवी, विवाद श्री दिवान सिह, गांव बोहर, तहसील व जिला रोहतक, को रबी, 1978 से खरीक, 1979 तक 150 रुपये वार्षिक तथा रवी, 1980 से 300 रुपये वार्षिक कीमत वाली युद्ध जागीर सतद में दी गई शर्तों के अनुसार सहर्व प्रदान करते हैं।]

दिनांक 11 सितम्बर, 1981

क्रमांक 1724-ज-(I)-81/33117.—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरकार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है), की धारा 2(ए)(1ए) तथा 3(1ए) के अनुसार सौंदे गरे अधिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राजपत्र श्रीमती चावती देवी, विवाद श्री पत राम, गांव किरदान, तहसील फतेहबाद, जिला हिनार, को खरीक, 1963 से रवी, 1970 तक 101 रुपये वार्षिक खरीक, 1970 से खरीक, 1979 तक 150 रुपये वार्षिक तथा रवी, 1980 से 300 रुपये वार्षिक जोड़ राती युद्ध जागीर सतद में दी गई शर्तों के अनुसार सहर्व प्रदान करते हैं।

शुद्धि पत्र

दिनांक 27 अगस्त, 1981

क्रमांक 314-ज-I-81/33573.—हरियाणा सरकार, राजस्व विभाग की प्रतिपूत्रता क्रमांक 1702-ज-I-80/36365, दिनांक 13 अक्टूबर, 1980 जो हरियाणा सरकार के राजपत्र विभांक 28 प्रकाशित हुई थी, की तीसरी लाईन में 'नावा' को ढारी री बनाये 'नावा को ढागो' तथा तीसरी लाईन में 'बोहर, 1976' को बजाए 'खरीक, 1976' पढ़ा जाये।

दिनांक 28 अगस्त, 1981

क्रमांक 1478-ज(II)-81/31073.—हरियाणा सरकार, राजस्व विभाग युद्ध जागीर अधिकूत्रता क्रमांक 1478-ज-(II)-81/29654, दिनांक 20 अगस्त, 1981 में श्री हरद्वारी लाल, पुत्र श्री जोहू राम की बजाये श्री हरद्वारी लाल, पुत्र श्री जेठू राम पढ़ा जाये।

दिनांक 9 सितम्बर, 1981

क्रमांक 175-ज-I-31/31522.—हरियाणा सरकार, राजस्व विभाग युद्ध जागीर अधिकूत्रता क्रमांक 2151-ज-I-80/44295, दिनांक 10 सितम्बर, 1980 जो हरियाणा सरकार राजपत्र, दिनांक 6 जनवरी, 1981 में प्रकाशित हुई है, को तीसरे लाईन में गांव का नाम "बगा गांव" की बजाये "बड़ा गांव" पढ़ा जाये।

दिनांक 14 सितम्बर, 1981

क्रमांक 1685-ज-I-80/33325.—हरियाणा सरकार, राजस्व विभाग युद्ध जागीर अधिकूत्रता क्रमांक 924-ज-I-80/22499, दिनांक 2 जुलाई, 1980 जो हरियाणा सरकार के राजपत्र में दिनांक 5 अगस्त, 1980 को प्रकाशित हुई है, की तीसरी लाईन में गांव का नाम "सांवड" की बजाए "संवड" पढ़ा जाये।

देस राज सतीजा,  
विशेष कार्य अधिकारी, हरियाणा सरकार,  
राजस्व विभाग।